

तेरी दृष्टा के हम हैं भिखारी
 और चाकर मतवाले
 रोक ... सके ना ... मुझको जमाना ...
 और ना बादल काले ...
 चल-चल पत्थर ... काँटे खाईयाँ ...
 पाँव में पड़ गये दाले
 दुखड़े सहते ... हँसते-हँसते ...
 हम टूटे दिलवाले ...

जय मर्कट जगदम्बा, जय मर्कट पारम्बा
 जय-जय मर्कट अम्बा, जय मर्कट जगदम्बा

याद किया, मेरी मर्कट ने तो, मैं दौड़ के आया
 दौड़ दिया, संसार ... तभी रेवा को पाया
 तुझे ध्वजा चढ़ाऊँ - जय हो मर्कट
 नरियल भी चढ़ाऊँ - जय हो मर्कट
 बस प्यार तेरा मैं पाऊँ ...
 चल-चल के तेरे, तीर में अपना
 जीवन सफल बनाऊँ मर्कट ... जीवन सफल बनाऊँ
 जय मर्कट जगदम्बा, जय मर्कट पारम्बा
 जय-जय मर्कट अम्बा, जय मर्कट जगदम्बा

रोज किया जगता-मर्क की भेंटें गाकर
हुआ मगन मन मेरा- तेरी शरण में आकर
तेरी ज्योत जलाऊँ- जय हो मर्क
तुझे हलुआ चढ़ाऊँ- जय हो मर्क
बस तेरे ही गुण गाऊँ-मर्क तेरे ही गुण गाऊँ
तेरी भेंटें गाते- गाते.

दुनियाँ से, मैं जाऊँ-मर्क- दुनियाँ से मैं जाऊँ
जय मर्क जगदम्बा- जय मर्क पारम्बा

जय- जय मर्क अम्बा- जय मर्क जगदम्बा
प्यार तेरा है साँचा मर्क ये दुनियाँ छोखा
सबका लिखा पास तुम्हारे लेखा जोखा
तूने ज्ञान दिया है- जय हो मर्क
तूने ध्यान दिया है- जय हो मर्क

मर्क तेरे ही गुण गाऊँ sss

निर्विकारिता, फूले फले

बस इतना ही वर पाऊँ sss मर्क, इतना ही वर पाऊँ

जय मर्क जगदम्बा- जय मर्क पारम्बा

जय-जय मर्क अम्बा- जय मर्क जगदम्बा.

तेरी दया से सब कुछ पाया... किये बताऊँ...
 आने वाली, कठिन घड़ी है... किये जताऊँ

छानी चुनरी चढ़ाऊँ - जय हो म॥

तुझे हृत्तर चढ़ाऊँ - जय हो म॥

तुझे होड़ कहाँ मैं जाऊँ...

दुनियाँ जाने तेरे "श्री बाबा श्री" को

बस इतना वर पाऊँ... म॥, बस इतना वर पाऊँ

जय म॥ जगदम्बा - जय म॥ पारम्बा

जय-जय म॥ उम्बा - जय म॥ जगदम्बा

तुझे ध्वजा चढ़ाऊँ - जय हो म॥

नरियल भी चढ़ाऊँ - जय हो म॥

तेरी ज्योत जलाऊँ - जय हो म॥

तुझे हलुआ चढ़ाऊँ - जय हो म॥

तूने ज्ञान दिया है - जय हो म॥

तूने ध्यान दिया है - जय हो म॥

छानी चुनरी चढ़ाऊँ - जय हो म॥

तुझे हृत्तर चढ़ाऊँ - जय हो म॥

बस प्यार तेरा मैं पाऊँ---